Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 August 2024

Dainik Jagran
Page - 04

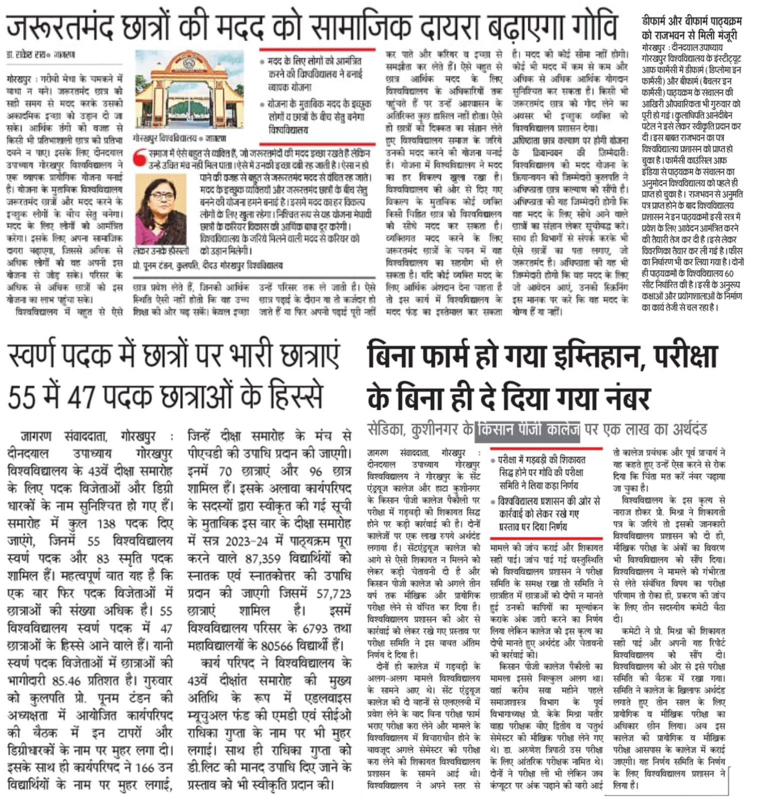

जरूरतमंद छात्रों की मदद को सामाजिक दायरा बढ़ाएगा गोवि

डा. राकेश राय • जागरण

- मदद के लिए लोगों को आमंत्रित करने की विश्वविद्यालय ने बनाई व्यापक योजना
- योजना के मुताबिक मदद के इच्छुक लोगों व छात्रों के बीच सेतु बनेगा विश्वविद्यालय

गोरखपुर : गरीबी मेधा के चमकने में बाधा न बने। जरूरतमंद छात्र को सही समय से मदद करके उसकी अकादमिक इच्छा को उड़ान दी जा सके। आर्थिक तंगी की वजह से किसी भी प्रतिभाशाली छात्र की प्रतिभा दबने न पाए। इसके लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एक व्यापक प्रायोगिक योजना बनाई है। योजना के मुताबिक विश्वविद्यालय जरूरतमंद छात्रों और मदद करने के इच्छुक लोगों के बीच सेतु बनेगा। मदद के लिए लोगों को आमंत्रित करेगा। इसके लिए अपना सामाजिक दायरा बढ़ाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को वह अपनी इस योजना से जोड़ सके। परिसर के अधिक से अधिक छात्रों को इस योजना का लाभ पहुंचा सके।

विश्वविद्यालय में बहुत से ऐसे छात्र प्रवेश लेते हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं होती कि वह उच्च शिक्षा की ओर बढ़ सकें। केवल इच्छा उन्हें परिसर तक ले जाती है। ऐसे छात्र पढ़ाई के दौरान या तो कर्जदार हो जाते हैं या फिर अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते और करियर व इच्छा से समझौता कर लेते हैं। ऐसे बहुत से छात्र आर्थिक मदद के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों तक पहुंचते हैं पर उन्हें आश्वासन के अतिरिक्त कुछ हासिल नहीं होता। ऐसे ही छात्रों की दिक्कत का संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय समाज के जरिये उनकी मदद करने की योजना बनाई है। योजना में विश्वविद्यालय में मदद का हर विकल्प खुला रखा है। विश्वविद्यालय की ओर से दिए गए विकल्प के मुताबिक कोई व्यक्ति किसी चिह्नित छात्र को विश्वविद्यालय की सीधे मदद कर सकता है। व्यक्तिगत मदद करने के लिए जरूरतमंद छात्रों के चयन में वह विश्वविद्यालय का सहयोग भी ले सकता है। यदि कोई व्यक्ति मदद के लिए आर्थिक अंशदान देना चाहता है तो इस कार्य में विश्वविद्यालय के मदद फंड का इस्तेमाल कर सकता है। मदद की कोई सीमा नहीं होगी। कोई भी मदद में कम से कम और अधिक से अधिक आर्थिक योगदान सुनिश्चित कर सकता है। किसी भी जरूरतमंद छात्र को गोद लेने का अवसर भी इच्छुक व्यक्ति को विश्वविद्यालय प्रशासन देगा।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण पर होगी योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी: विश्वविद्यालय की मदद योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण को सौंपी है। अधिष्ठाता की यह जिम्मेदारी होगी कि वह मदद के लिए सीधे आने वाले छात्रों का संज्ञान लेकर सूचीबद्ध करें। साथ ही विभागों से संपर्क करके भी ऐसे छात्रों का पता लगाए, जो जरूरतमंद हैं। अधिष्ठाता की यह भी जिम्मेदारी होगी कि वह मदद के लिए जो आवेदन आएं, उनकी स्क्रिनिंग इस मानक पर करें कि वह मदद के योग्य हैं या नहीं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय • जागरण

समाज में ऐसे बहुत से व्यक्ति हैं, जो जरूरतमंदों की मदद इच्छा रखते हैं लेकिन उन्हें उचित मंच नहीं मिल पाता। ऐसे में उनकी इच्छा दबी रह जाती है। ऐसा न हो पाने की वजह से बहुत से जरूरतमंद मदद से वंचित रह जाते। मदद के इच्छुक व्यक्तियों और जरूरतमंद छात्रों के बीच सेतु बनने की योजना हमने बनाई है। इसमें मदद का हर विकल्प लोगों के लिए खुला रहेगा। निश्चित रूप से यह योजना मेधावी छात्रों के करियर विकास की आर्थिक बाधा दूर करेगी। विश्वविद्यालय के जरिये मिलने वाली मदद से करियर को लेकर उनके हौसले को उड़ान मिलेगी।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

डीफार्म और बीफार्म पाठ्यक्रम को राजभवन से मिली मंजूरी

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी में डीफार्म (डिप्लोमा इन फार्मेसी) और बीफार्म (बैचलर इन फार्मेसी) पाठ्यक्रम के संचालन की आखिरी औपचारिकता भी गुरुवार को पूरी हो गई। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इसे लेकर स्वीकृति प्रदान कर दी। इस बाबत राजभवन का पत्र विश्वविद्यालय प्रशासन को प्राप्त हो चुका है। फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया से पाठ्यक्रम के संचालन का अनुमोदन विश्वविद्यालय को पहले ही प्राप्त हो चुका है। राजभवन से अनुमति पत्र प्राप्त होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन पाठ्यक्रमों इसी सत्र में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करने की तैयारी तेज कर दी है। इसे लेकर विवरणिका तैयार कर ली गई है। फीस का निर्धारण भी कर लिया गया है। दोनों ही पाठ्यक्रमों के लिए 60 सीट निर्धारित की है। इसी के अनुरूप कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है।

स्वर्ण पदक में छात्रों पर भारी छात्राएं 55 में 47 पदक छात्राओं के हिस्से

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षा समारोह के लिए पदक विजेताओं और डिग्री धारकों के नाम सुनिश्चित हो गए हैं। समारोह में कुल 138 पदक दिए जाएंगे, जिनमें 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और 83 स्मृति पदक शामिल हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि एक बार फिर पदक विजेताओं में छात्राओं की संख्या अधिक है। 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक में 47 छात्राओं के हिस्से आने वाले हैं। यानी स्वर्ण पदक विजेताओं में छात्राओं की भागीदारी 85.46 प्रतिशत है। गुरुवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यपरिषद की बैठक में इन टापर्स और डिग्रीधारकों के नाम पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही कार्यपरिषद ने 166 उन विद्यार्थियों के नाम पर मुहर लगाई, जिन्हें दीक्षा समारोह के मंच से पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 70 छात्राएं और 96 छात्र शामिल हैं। इसके अलावा कार्यपरिषद के सदस्यों द्वारा स्वीकृत की गई सूची के मुताबिक इस बार के दीक्षा समारोह में सत्र 2023-24 में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले 87,359 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी जिसमें 57,723 छात्राएं शामिल है। इसमें विश्वविद्यालय परिसर के 6793 तथा महाविद्यालयों के 80566 विद्यार्थी हैं।

कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी एवं सीईओ राधिका गुप्ता के नाम पर भी मुहर लगाई। साथ ही राधिका गुप्ता को डी.लिट की मानद उपाधि दिए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की।

बिना फार्म हो गया इम्तिहान, परीक्षा के बिना ही दे दिया गया नंबर

सेडिका, कुशीनगर के किसान पीजी कालेज पर एक लाख का अर्थदंड

- परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत सिद्ध होने पर गोवि की परीक्षा समिति ने लिया कड़ा निर्णय
- विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कार्रवाई को लेकर रखे गए प्रस्ताव पर दिया निर्णय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने गोरखपुर के सेंट एंड्रयूज कालेज और हाटा कुशीनगर के किसान पीजी कालेज पैकौली पर परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की है। दोनों कालेजों पर एक लाख रुपये अर्थदंड लगाया गया है। सेंटएंड्रयूज कालेज को आगे से ऐसी शिकायत न मिलने को लेकर कड़ी चेतावनी दी है और किसान पीजी कालेज को अगले तीन वर्ष तक मौखिक और प्रायोगिक परीक्षा लेने से वंचित कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कार्रवाई को लेकर रखे गए प्रस्ताव पर परीक्षा समिति ने इस बाबत अंतिम निर्णय दे दिया है।

दोनों ही कालेज में गड़बड़ी के अलग-अलग मामले विश्वविद्यालय के सामने आए थे। सेंट एंड्रयूज कालेज की दो बहनों से एलएलबी में प्रवेश लेने के बाद बिना परीक्षा फार्म भराए परीक्षा करा लेने और मामले के विश्वविद्यालय में विचाराधीन होने के बावजूद अगले सेमेस्टर की परीक्षा करा लेने की शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने आई थी। विश्वविद्यालय ने अपने स्तर से मामले की जांच कराई और शिकायत सही पाई। जांच पाई गई वस्तुस्थिति को विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा समिति के समक्ष रखा तो समिति ने छात्रहित में छात्राओं की कापियों का मूल्यांकन कराके अंक जारी करने का निर्णय लिया लेकिन कालेज को इस कृत्य का दोषी मानते हुए अर्थदंड और चेतावनी की कार्रवाई की।

किसान पीजी कालेज पैकौली का मामला इससे बिल्कुल अलग था। वहां करीब सवा महीने पहले समाजशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. केके मिश्रा बतौर वाह्य परीक्षक बीए द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की मौखिक परीक्षा लेने गए थे। डा. अरुणेश त्रिपाठी उस परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक नामित थे। दोनों ने परीक्षा ली भी लेकिन जब कंप्यूटर पर अंक चढ़ाने की बारी आई तो कालेज प्रबंधक और पूर्व प्राचार्य ने यह कहते हुए उन्हें ऐसा करने से रोक दिया कि चिंता मत करें नंबर चढ़ाया जा चुका है।

विश्वविद्यालय के इस कृत्य से नाराज होकर प्रो. मिश्रा ने शिकायती पत्र के जरिये तो इसकी जानकारी विश्वविद्यालय प्रशासन को दी ही, मौखिक परीक्षा के अंकों का विवरण भी विश्वविद्यालय को सौंप दिया। विश्वविद्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते संबंधित विषय का परीक्षा परिणाम तो रोका ही, प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बैठा दी।

कमेटी ने प्रो. मिश्रा की शिकायत सही पाई और अपनी यह रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंप दी। विश्वविद्यालय की ओर से इसे परीक्षा समिति की बैठक में रखा गया। समिति ने कालेज के खिलाफ अर्थदंड लगाते हुए तीन साल के लिए प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा का अधिकार छीन लिया। अब इस कालेज की प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा आसपास के कालेज में कराई जाएगी। यह निर्णय समिति के निर्णय के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया है।

Amar Ujala
Page - 07

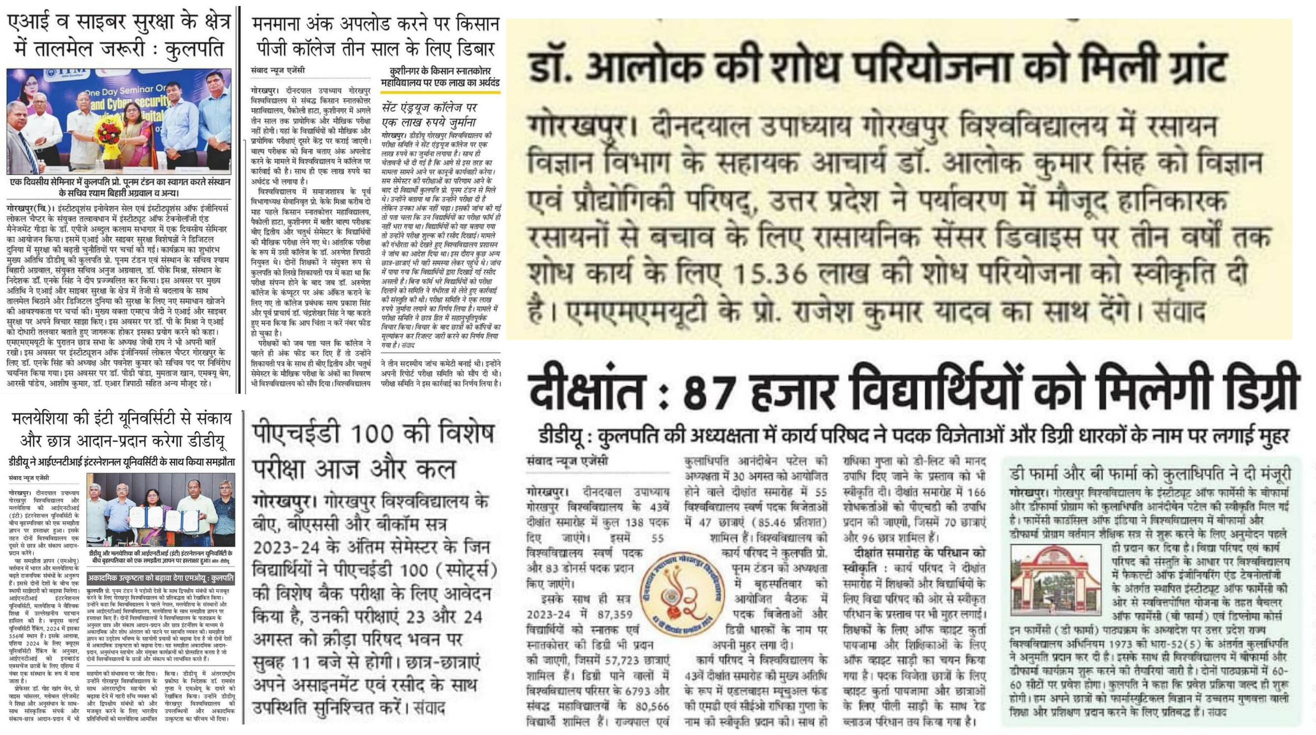

एआई व साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तालमेल जरूरी : कुलपति

एक दिवसीय सेमिनार में कुलपति प्रो. पूनम टंडन का स्वागत करते संस्थान के सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल व अन्य।

गोरखपुर(वि.)। इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन सेल एवं इंस्टीट्यूशंस ऑफ इंजीनियर्स लोकल चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट गीडा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। इसमें एआई और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने डिजिटल दुनिया में सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन एवं संस्थान के सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल, डॉ. पीके मिश्रा, संस्थान के निदेशक डॉ. एनके सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने एआई और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव के साथ तालमेल बिठाने और डिजिटल दुनिया की सुरक्षा के लिए नए समाधान खोजने की आवश्यकता पर चर्चा की। मुख्य वक्ता एमएच जैदी ने एआई और साइबर सुरक्षा पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर डॉ. पी के मिश्रा ने एआई को दोधारी तलवार बताते हुए जागरूक होकर इसका प्रयोग करन को कहा। एमएमएमयूटी के पुरातन छात्र सभा के अध्यक्ष जेबी राय ने भी अपनी बातें रखी। इस अवसर पर इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स लोकल चैप्टर गोरखपुर के लिए डॉ. एनके सिंह को अध्यक्ष और पवनेश कुमार को सचिव पद पर निर्विरोध चयनित किया गया। इस अवसर पर डॉ. पीडी पांडा, मुमताज खान, एमक्यू बेग, आरसी पांडेय, आशीष कुमार, डॉ. एआर त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

मनमाना अंक अपलोड करने पर किसान पीजी कॉलेज तीन साल के लिए डिबार

संवाद न्यूज एजेंसी

कुशीनगर के किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय पर एक लाख का अर्थदंड

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पैकौली हाटा, कुशीनगर में अगले तीन साल तक प्रायोगिक और मौखिक परीक्षा नहीं होगी। यहां के विद्यार्थियों की मौखिक और प्रायोगिक परीक्षाएं दूसरे केंद्र पर कराई जाएंगी। बाह्य परीक्षक को बिना बताए अंक अपलोड करने के मामले में विश्वविद्यालय ने कॉलेज पर कार्रवाई की है। साथ ही एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्त प्रो. केके मिश्रा करीब दो माह पहले किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पैकौली हाटा, कुशीनगर में बतौर बाह्य परीक्षक बीए द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा लेने गए थे। आंतरिक परीक्षा के रूप में उसी कॉलेज के डॉ. अरुणेश त्रिपाठी नियुक्त थे। दोनों शिक्षकों ने संयुक्त रूप से कुलपति को लिखे शिकायती पत्र में कहा था कि परीक्षा संपन्न होने के बाद जब डॉ. अरुणेश कॉलेज के कंप्यूटर पर अंक अंकित कराने के लिए गए तो कॉलेज प्रबंधक सत्य प्रकाश सिंह और पूर्व प्राचार्य डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने यह कहते हुए मना किया कि आप चिंता न करें नंबर फीड हो चुका है।

परीक्षकों को जब पता चल कि कॉलेज ने पहले ही अंक फीड कर दिए हैं तो उन्होंने शिकायती पत्र के साथ ही बीए द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के मौखिक परीक्षा के अंकों का विवरण भी विश्वविद्यालय को सौंप दिया। विश्वविद्यालय ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई थी। इन्होंने अपनी रिपोर्ट परीक्षा समिति को सौंप दी थी। परीक्षा समिति ने इस कार्रवाई का निर्णय लिया है।

सेंट एंड्रयूज कॉलेज पर एक लाख रुपये जुर्माना

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति ने सेंट एंड्रयूज कॉलेज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही चेतावनी भी दी गई है कि आगे से इस तरह का मामला सामने आने पर कानूनी कार्यवाही करेगा। सम सेमेस्टर की परीक्षाओं का परिणाम आने के बाद दो विद्यार्थी कुलपति प्रो. पूनम टंडन से मिले थे। उन्होंने बताया था कि उन्होंने परीक्षा दी है लेकिन उनका अंक नहीं चढ़ा। इसकी जांच की गई तो पता चला कि उन विद्यार्थियों का परीक्षा फॉर्म ही नहीं भरा गया था। विद्यार्थियों को यह बताया गया तो उन्होंने परीक्षा शुल्क की रसीद दिखाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच का आदेश दिया था। इस दौरान कुछ अन्य छात्र-छात्राओं भी यही समस्या लेकर पहुंचे थे। जांच में पाया गया कि विद्यार्थियों द्वारा दिखाई गई रसीद असली है। बिना फॉर्म भरे विद्यार्थियों को परीक्षा दिलाने को समिति ने गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की संस्तुति की थी। परीक्षा समिति ने एक लाख रुपये जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है। मामले में परीक्षा समिति ने छात्र हित में सहानुभूतिपूर्वक विचार किया। विचार के बाद छात्रों की कॉपियों का मूल्यांकन कर रिजल्ट जारी करने का निर्णय लिया गया है। संवाद

डॉ. आलोक की शोध परियोजना को मिली ग्रांट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों से बचाव के लिए रासायनिक सेंसर डिवाइस पर तीन वर्षों तक शोध कार्य के लिए 15.36 लाख की शोध परियोजना को स्वीकृति दी है। एमएमएमयूटी के प्रो. राजेश कुमार यादव का साथ देंगे। संवाद

मलयेशिया की इंटी यूनिवर्सिटी से संकाय और छात्र आदान-प्रदान करेगा डीडीयू

डीडीयू ने आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ किया समझौता

संवाद न्यूज एजेंसी

डीडीयू और मलयेशिया की आईएनटीआई (इंटी) इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के बीच बृहस्पतिवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ।

अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा एमओयू : कुलपति

पीएचईडी 100 की विशेष परीक्षा आज और कल

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के बीए, बीएससी और बीकॉम सत्र 2023-24 के अंतिम सेमेस्टर के जिन विद्यार्थियों ने पीएचईडी 100 (स्पोर्ट्स) की विशेष बैक परीक्षा के लिए आवेदन किया है, उनकी परीक्षाएं 23 और 24 अगस्त को क्रीड़ा परिषद भवन पर सुबह 11 बजे से होगी। छात्र-छात्राएं अपने असाइनमेंट एवं रसीद के साथ उपस्थिति सुनिश्चित करें। संवाद

दीक्षांत : 87 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

डीडीयू : कुलपति की अध्यक्षता में कार्य परिषद ने पदक विजेताओं और डिग्री धारकों के नाम पर लगाई मुहर

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह में कुल 138 पदक दिए जाएंगे। इसमें 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और 83 डोनर्स पदक प्रदान किए जाएंगे।

इसके साथ ही सत्र 2023-24 में 87,359 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की डिग्री भी प्रदान की जाएगी, जिसमें 57,723 छात्राएं शामिल हैं। डिग्री पाने वालों में विश्वविद्यालय परिसर के 6793 और संबद्ध महाविद्यालयों के 80,566 विद्यार्थी शामिल हैं। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 30 अगस्त को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विजेताओं में 47 छात्राएं (85.46 प्रतिशत) शामिल हैं। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को आयोजित बैठक में पदक विजेताओं और डिग्री धारकों के नाम पर अपनी मुहर लगा दी।

कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी एवं सीईओ राधिका गुप्ता के नाम को स्वीकृति प्रदान की। साथ ही राधिका गुप्ता को डी-लिट की मानद उपाधि दिए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी। दीक्षांत समारोह में 166 शोधकर्ताओं को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी, जिसमें 70 छात्राएं और 96 छात्र शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह के परिधान को स्वीकृति : कार्य परिषद ने दीक्षांत समारोह में शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विद्या परिषद की ओर से स्वीकृत परिधान के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई। शिक्षकों के लिए ऑफ व्हाइट कुर्ता पायजामा और शिक्षिकाओं के लिए ऑफ व्हाइट साड़ी का चयन किया गया है। पदक विजेता छात्रों के लिए व्हाइट कुर्ता पायजामा और छात्राओं के लिए पीली साड़ी के साथ रेड ब्लाउज परिधान तय किया गया है।

डी फार्मा और बी फार्मा को कुलाधिपति ने दी मंजूरी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के बीफार्मा और डीफार्मा प्रोग्राम को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा प्रोग्राम वर्तमान शैक्षिक सत्र से शुरू करने के लिए अनुमोदन पहले ही प्रदान कर दिया है। विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की ओर से स्ववित्तपोषित योजना के तहत बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी फार्मा) एवं डिप्लोमा कोर्स इन फार्मेसी (डी फार्मा) पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52(5) के अंतर्गत कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा कार्यक्रम शुरू करने की तैयारियां जारी है। दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। कुलपति ने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। हम अपने छात्रों को फार्मास्युटिकल विज्ञान में उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। संवाद

Hindustan
Page - 03, 06

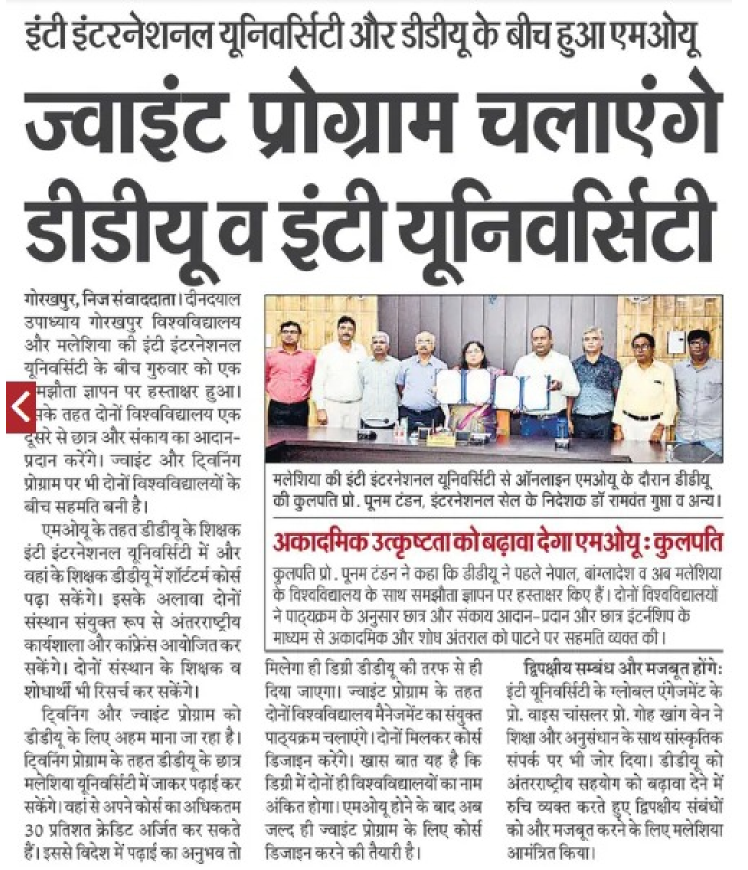

इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी और डीडीयू के बीच हुआ एमओयू

ज्वाइंट प्रोग्राम चलाएंगे डीडीयू व इंटी यूनिवर्सिटी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और मलेशिया की इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के बीच गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। इसके तहत दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे से छात्र और संकाय का आदान-प्रदान करेंगे। ज्वाइंट और ट्विनिंग प्रोग्राम पर भी दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहमति बनी है।

एमओयू के तहत डीडीयू के शिक्षक इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में और वहां के शिक्षक डीडीयू में शॉर्टटर्म कोर्स पढ़ा सकेंगे। इसके अलावा दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला और कांफ्रेंस आयोजित कर सकेंगे। दोनों संस्थान के शिक्षक व शोधार्थी भी रिसर्च कर सकेंगे।

ट्विनिंग और ज्वाइंट प्रोग्राम को डीडीयू के लिए अहम माना जा रहा है। ट्विनिंग प्रोग्राम के तहत डीडीयू के छात्र मलेशिया यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ाई कर सकेंगे। वहां से अपने कोर्स का अधिकतम 30 प्रतिशत क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। इससे विदेश में पढ़ाई का अनुभव तो मिलेगा ही डिग्री डीडीयू की तरफ से ही दिया जाएगा। ज्वाइंट प्रोग्राम के तहत दोनों विश्वविद्यालय मैनेजमेंट का संयुक्त पाठ्यक्रम चलाएंगे। दोनों मिलकर कोर्स डिजाइन करेंगे। खास बात यह है कि डिग्री में दोनों ही विश्वविद्यालयों का नाम अंकित होगा। एमओयू होने के बाद अब जल्द ही ज्वाइंट प्रोग्राम के लिए कोर्स डिजाइन करने की तैयारी है।

मलेशिया की इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन एमओयू के दौरान डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, इंटरनेशनल सेल के निदेशक डॉ रामवंत गुप्ता व अन्य।

अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा एमओयू : कुलपति

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि डीडीयू ने पहले नेपाल, बांग्लादेश व अब मलेशिया के विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र और संकाय आदान-प्रदान और छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से अकादमिक और शोध अंतराल को पाटने पर सहमति व्यक्त की।

द्विपक्षीय सम्बंध और मजबूत होंगे: इंटी यूनिवर्सिटी के ग्लोबल एंगेजमेंट के प्रो. वाइस चांसलर प्रो. गोह खांग वेन ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ सांस्कृतिक संपर्क पर भी जोर दिया। डीडीयू को अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में रुचि व्यक्त करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मलेशिया आमंत्रित किया।

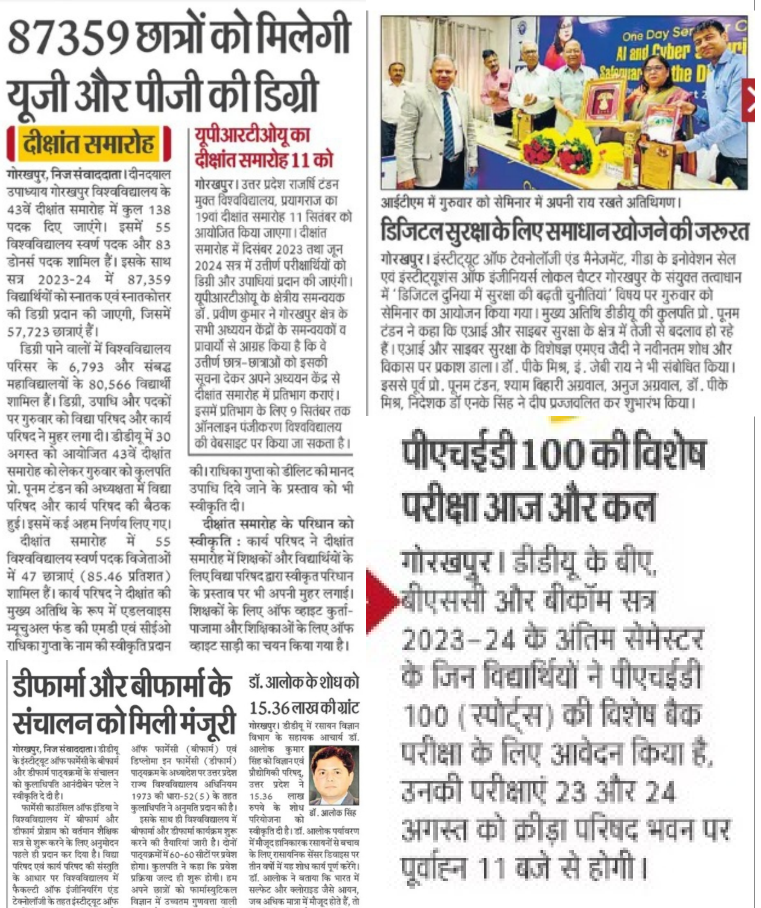

87359 छात्रों को मिलेगी यूजी और पीजी की डिग्री

दीक्षांत समारोह

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह में कुल 138 पदक दिए जाएंगे। इसमें 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और 83 डोनर्स पदक शामिल हैं। इसके साथ सत्र 2023-24 में 87,359 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी, जिसमें 57,723 छात्राएं हैं।

डिग्री पाने वालों में विश्वविद्यालय परिसर के 6,793 और संबद्ध महाविद्यालयों के 80,566 विद्यार्थी शामिल हैं। डिग्री, उपाधि और पदकों पर गुरुवार को विद्या परिषद और कार्य परिषद ने मुहर लगा दी। डीडीयू में 30 अगस्त को आयोजित 43वें दीक्षांत समारोह को लेकर गुरुवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक हुई। इसमें कई अहम निर्णय लिए गए।

दीक्षांत समारोह में 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विजेताओं में 47 छात्राएं (85.46 प्रतिशत) शामिल हैं। कार्य परिषद ने दीक्षांत की मुख्य अतिथि के रूप में एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी एवं सीईओ राधिका गुप्ता के नाम की स्वीकृति प्रदान की। राधिका गुप्ता को डीलिट की मानद उपाधि दिये जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी।

दीक्षांत समारोह के परिधान को स्वीकृति : कार्य परिषद ने दीक्षांत समारोह में शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विद्या परिषद द्वारा स्वीकृत परिधान के प्रस्ताव पर भी अपनी मुहर लगाई। शिक्षकों के लिए ऑफ व्हाइट कुर्ता-पाजामा और शिक्षिकाओं के लिए ऑफ व्हाइट साड़ी का चयन किया गया है।

यूपीआरटीओयू का दीक्षांत समारोह 11 को

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 19वां दीक्षांत समारोह 11 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में दिसंबर 2023 तथा जून 2024 सत्र में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को डिग्री और उपाधियां प्रदान की जाएंगी। यूपीआरटीओयू के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार ने गोरखपुर क्षेत्र के सभी अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों व प्राचार्यों से आग्रह किया है कि वे उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को इसकी सूचना देकर अपने अध्ययन केंद्र से दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग कराएं। इसमें प्रतिभाग के लिए 9 सितंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर किया जा सकता है।

आईटीएम में गुरुवार को सेमिनार में अपनी राय रखते अतिथिगण।

डिजिटल सुरक्षा के लिए समाधान खोजने की जरूरत

गोरखपुर। इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गीडा के इनोवेशन सेल एवं इंस्टीट्यूशंस ऑफ इंजीनियर्स लोकल चैप्टर गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में 'डिजिटल दुनिया में सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियां' विषय पर गुरुवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि एआई और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। एआई और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ एमएच जैदी ने नवीनतम शोध और विकास पर प्रकाश डाला। डॉ. पीके मिश्र, इं. जेबी राय ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व प्रो. पूनम टंडन, श्याम बिहारी अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, डॉ. पीके मिश्र, निदेशक डॉ एनके सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।

पीएचईडी 100 की विशेष परीक्षा आज और कल

गोरखपुर। डीडीयू के बीए, बीएससी और बीकॉम सत्र 2023-24 के अंतिम सेमेस्टर के जिन विद्यार्थियों ने पीएचईडी 100 (स्पोर्ट्स) की विशेष बैक परीक्षा के लिए आवेदन किया है, उनकी परीक्षाएं 23 और 24 अगस्त को क्रीड़ा परिषद भवन पर पूर्वाह्न 11 बजे से होगी।

डीफार्मा और बीफार्मा के संचालन को मिली मंजूरी

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के बीफार्म और डीफार्म पाठ्यक्रमों के संचालन को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने स्वीकृति दे दी है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय में बीफार्म और डीफार्म प्रोग्राम को वर्तमान शैक्षिक सत्र से शुरू करने के लिए अनुमोदन पहले ही प्रदान कर दिया है। विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी स्थापित की गई है। स्ववित्तपोषित योजना के तहत बैचलर ऑफ फार्मेसी (बीफार्म) एवं डिप्लोमा इन फार्मेसी (डीफार्म) पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52(5) के तहत कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान की है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा कार्यक्रम शुरू करने की तैयारियां जारी है। दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। कुलपति ने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। हम अपने छात्रों को फार्मास्युटिकल विज्ञान में उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. आलोक के शोध को 15.36 लाख की ग्रांट

गोरखपुर। डीडीयू में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश ने 15.36 लाख रुपये के शोध परियोजना को स्वीकृति दी है। डॉ. आलोक पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों से बचाव के लिए रासायनिक सेंसर डिवाइस पर तीन वर्षों में यह शोध कार्य पूर्ण करेंगे। डॉ. आलोक ने बताया कि भारत में सल्फेट और क्लोराइड जैसे आयन, जब अधिक मात्रा में मौजूद होते हैं, तो मिट्टी की उर्वरता और फसल की उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।

डॉ. आलोक सिंह

Rashtriya Sahara
Page - 07, 09

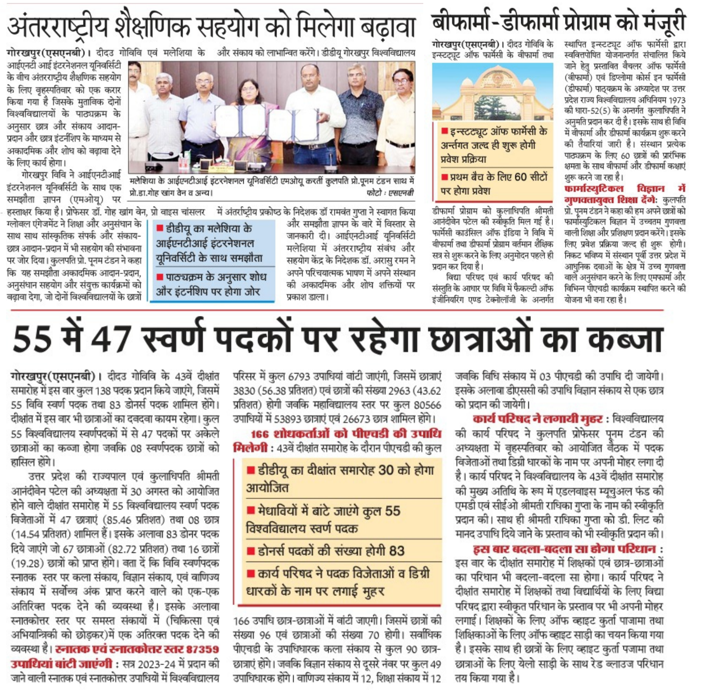

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि एवं मलेशिया के आईएनटी आई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के बीच अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग के लिए बृहस्पतिवार को एक करार किया गया है जिसके मुताबिक दोनों विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र और संकाय आदान-प्रदान और छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से अकादमिक और शोध को बढ़ावा देने के लिए कार्य होगा।

गोरखपुर विवि ने आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। प्रोफेसर डॉ. गोह खांग वेन, प्रो वाइस चांसलर ग्लोबल एंगेजमेंट ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ साथ सांस्कृतिक संपर्क और संकाय-छात्र आदान-प्रदान में भी सहयोग की संभावना पर जोर दिया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह समझौता अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संयुक्त कार्यक्रमों को बढ़ावा देगा, जो दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों और संकाय को लाभान्वित करेंगे। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ रामवंत गुप्ता ने स्वागत किया और समझौता ज्ञापन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आईएनटीआई यूनिवर्सिटी मलेशिया में अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग केंद्र के निदेशक डॉ. अरासु रमन ने अपने परिचयात्मक भाषण में अपने संस्थान की अकादमिक और शोध शक्तियों पर प्रकाश डाला।

मलेशिया के आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी एमओयू करतीं कुलपति प्रो.पूनम टंडन साथ में प्रो.डा.गोह खांग वेन व अन्य। फोटो : एसएनबी

- डीडीयू का मलेशिया के आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ समझौता
- पाठ्यक्रम के अनुसार शोध और इंटर्नशिप पर होगा जोर

बीफार्मा-डीफार्मा प्रोग्राम को मंजूरी

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के इन्स्टट्यूट ऑफ फार्मेसी के बीफार्मा तथा डीफार्मा प्रोग्राम को कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विवि में बीफार्मा तथा डीफार्मा प्रोग्राम वर्तमान शैक्षिक सत्र से शुरू करने के लिए अनुमोदन पहले ही प्रदान कर दिया है।

विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विवि में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के अन्तर्गत स्थापित इन्स्टट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित बैचलर ऑफ फार्मेसी (बीफार्मा) एवं डिप्लोमा कोर्स इन फार्मेसी (डीफार्मा) पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52(5) के अन्तर्गत कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही विवि में बीफार्मा और डीफार्मा कार्यक्रम शुरू करने की तैयारियां जारी हैं। संस्थान प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 60 छात्रों की प्रारंभिक क्षमता के साथ बीफार्मा और डीफार्मा कक्षाएं शुरू करने जा रहा है।

फार्मास्युटिकल विज्ञान में गुणवत्तायुक्त शिक्षा देंगे: कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा की हम अपने छात्रों को फार्मास्युटिकल विज्ञान में उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। निकट भविष्य में संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश में आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान करने के लिए एमफार्मा और विभिन्न पीएचडी कार्यक्रम स्थापित करने की योजना भी बना रहा है।

- इन्स्टट्यूट ऑफ फार्मेसी के अन्तर्गत जल्द ही शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया
- प्रथम बैच के लिए 60 सीटों पर होगा प्रवेश

55 में 47 स्वर्ण पदकों पर रहेगा छात्राओं का कब्जा

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के 43वें दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 138 पदक प्रदान किये जाएंगे, जिसमें 55 विवि स्वर्ण पदक तथा 83 डोनर्स पदक शामिल होंगे। दीक्षांत में इस बार भी छात्राओं का दबदबा कायम रहेगा। कुल 55 विश्वविद्यालय स्वर्णपदकों में से 47 पदकों पर अकेले छात्राओं का कब्जा होगा जबकि 08 स्वर्णपदक छात्रों को हासिल होंगे।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 30 अगस्त को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विजेताओं में 47 छात्राएं (85.46 प्रतिशत) तथा 08 छात्र (14.54 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके अलावा 83 डोनर पदक दिये जाएंगे जो 67 छात्राओं (82.72 प्रतिशत) तथा 16 छात्रों (19.28) छात्रों को प्राप्त होंगे। बता दें कि विवि स्वर्णपदक स्नातक स्तर पर कला संकाय, विज्ञान संकाय, एवं वाणिज्य संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले को एक-एक अतिरिक्त पदक देने की व्यवस्था है। इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तर पर समस्त संकायों में (चिकित्सा एवं अभियान्त्रिकी को छोड़कर)में एक अतिरिक्त पदक देने की व्यवस्था है। **स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर 87359 उपाधियां बांटी जाएंगी :** सत्र 2023-24 में प्रदान की जाने वाली स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियों में विश्वविद्यालय परिसर में कुल 6793 उपाधियां बांटी जाएंगी, जिसमें छात्राएं 3830 (56.38 प्रतिशत) एवं छात्रों की संख्या 2963 (43.62 प्रतिशत) होगी जबकि महाविद्यालय स्तर पर कुल 80566 उपाधियों में 53893 छात्राएं एवं 26673 छात्र शामिल होंगे।

166 शोधकर्ताओं को पीएचडी की उपाधि मिलेगी : 43वें दीक्षांत समारोह के दौरान पीएचडी की कुल 166 उपाधि छात्र-छात्राओं में बांटी जाएगी। जिसमें छात्रों की संख्या 96 एवं छात्राओं की संख्या 70 होगी। सर्वाधिक पीएचडी के उपाधिधारक कला संकाय से कुल 90 छात्र-छात्राएं होंगी। जबकि विज्ञान संकाय से दूसरे नंबर पर कुल 49 उपाधिधारक होंगे। वाणिज्य संकाय में 12, शिक्षा संकाय में 12 जबकि विधि संकाय में 03 पीएचडी की उपाधि दी जायेगी। इसके अलावा डीएससी की उपाधि विज्ञान संकाय से एक छात्र को प्रदान की जायेगी।

कार्य परिषद ने लगायी मुहर : विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को आयोजित बैठक में पदक विजेताओं तथा डिग्री धारकों के नाम पर अपनी मोहर लगा दी है। कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी एवं सीईओ श्रीमती राधिका गुप्ता के नाम की स्वीकृति प्रदान की। साथ ही श्रीमती राधिका गुप्ता को डी. लिट की मानद उपाधि दिये जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की।

इस बार बदला-बदला सा होगा परिधान : इस बार के दीक्षांत समारोह में शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का परिधान भी बदला-बदला सा होगा। कार्य परिषद ने दीक्षांत समारोह में शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के लिए विद्या परिषद द्वारा स्वीकृत परिधान के प्रस्ताव पर भी अपनी मोहर लगाई। शिक्षकों के लिए ऑफ व्हाइट कुर्ता पाजामा तथा शिक्षिकाओं के लिए ऑफ व्हाइट साड़ी का चयन किया गया है। इसके साथ ही छात्रों के लिए व्हाइट कुर्ता पजामा तथा छात्राओं के लिए येलो साड़ी के साथ रेड ब्लाउज परिधान तय किया गया है।

- डीडीयू का दीक्षांत समारोह 30 को होगा आयोजित
- मेधावियों में बांटे जाएंगे कुल 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक
- डोनर्स पदकों की संख्या होगी 83
- कार्य परिषद ने पदक विजेताओं व डिग्री धारकों के नाम पर लगाई मुहर

Amar Ujala Select
Page - 04

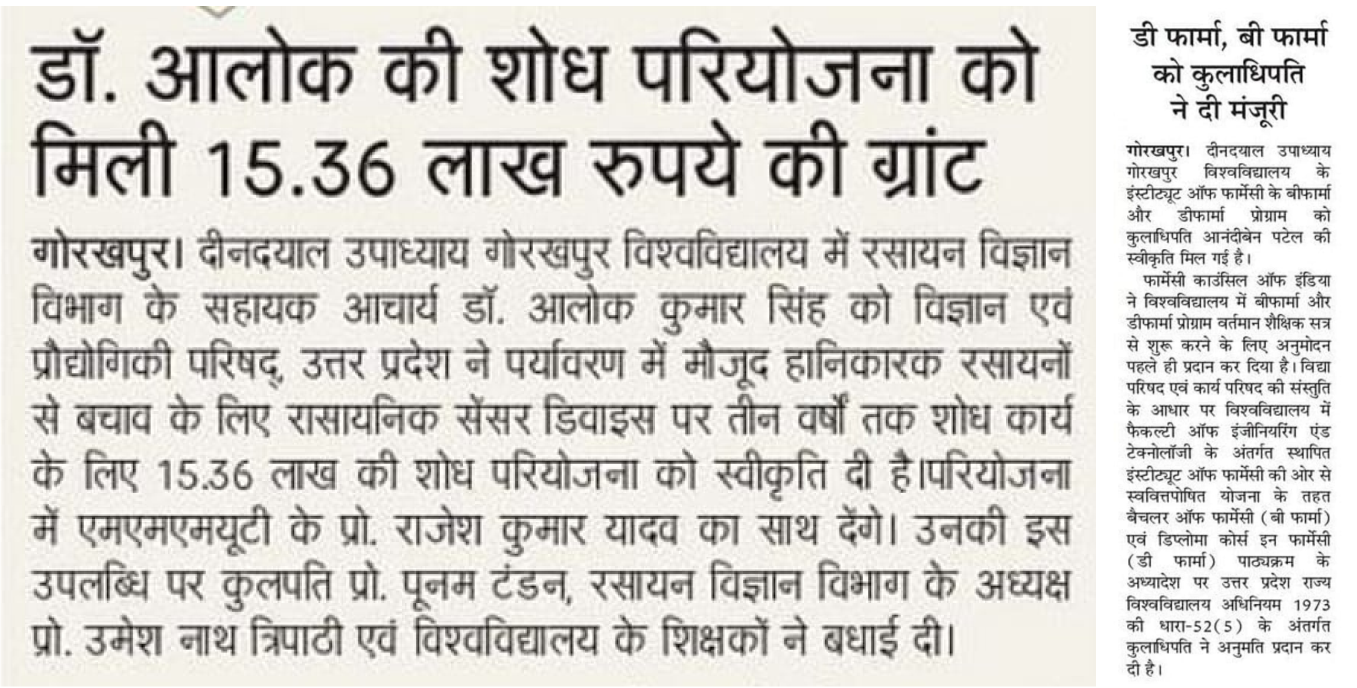

डॉ. आलोक की शोध परियोजना को मिली 15.36 लाख रुपये की ग्रांट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों से बचाव के लिए रासायनिक सेंसर डिवाइस पर तीन वर्षों तक शोध कार्य के लिए 15.36 लाख की शोध परियोजना को स्वीकृति दी है।परियोजना में एमएमएमयूटी के प्रो. राजेश कुमार यादव का साथ देंगे। उनकी इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने बधाई दी।

डी फार्मा, बी फार्मा को कुलाधिपति ने दी मंजूरी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के बीफार्मा और डीफार्मा प्रोग्राम को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा प्रोग्राम वर्तमान शैक्षिक सत्र से शुरू करने के लिए अनुमोदन पहले ही प्रदान कर दिया है। विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की ओर से स्ववित्तपोषित योजना के तहत बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी फार्मा) एवं डिप्लोमा कोर्स इन फार्मेसी (डी फार्मा) पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52(5) के अंतर्गत कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान कर दी है।

Swatantra Chetna
Page -05

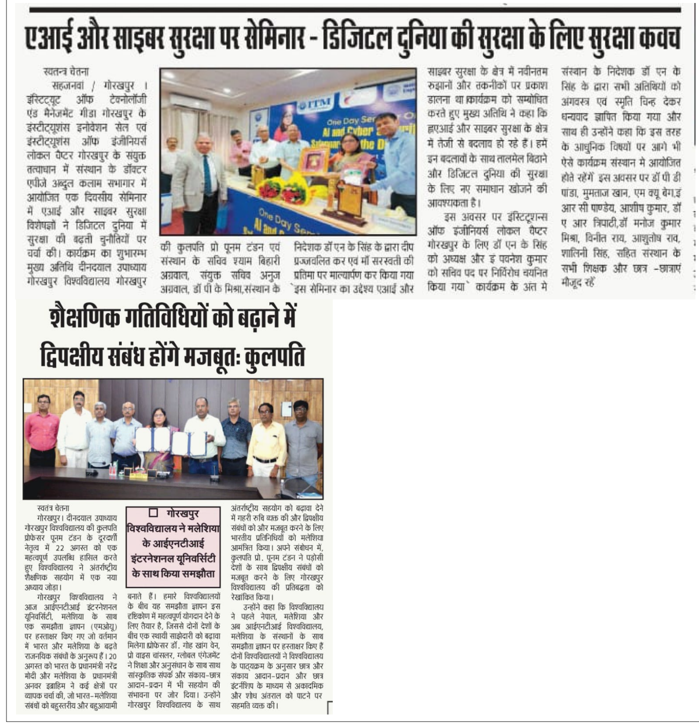

एआई और साइबर सुरक्षा पर सेमिनार - डिजिटल दुनिया की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कवच

स्वतन्त्र चेतना

सहजनवां / गोरखपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट गीडा गोरखपुर के इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन सेल एवं इंस्टीट्यूशंस ऑफ इंजीनियर्स लोकल चैप्टर गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में संस्थान के डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में एआई और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने डिजिटल दुनिया में सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो पूनम टंडन एवं संस्थान के सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल, डॉ पी के मिश्रा,संस्थान के निदेशक डॉ एन के सिंह के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया `इस सेमिनार का उद्देश्य एआई और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और तकनीकों पर प्रकाश डालना था कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि हएआई और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। हमें इन बदलावों के साथ तालमेल बिठाने और डिजिटल दुनिया की सुरक्षा के लिए नए समाधान खोजने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर इंस्टिट्यूशन्स ऑफ इंजीनियर्स लोकल चैप्टर गोरखपुर के लिए डॉ एन के सिंह को अध्यक्ष और इं पवनेश कुमार को सचिव पद पर निर्विरोध चयनित किया गया` कार्यक्रम के अंत मे संस्थान के निदेशक डॉ एन के सिंह के द्वारा सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर धन्यवाद ज्ञापित किया गया और साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के आधुनिक विषयों पर आगे भी ऐसे कार्यक्रम संस्थान मे आयोजित होते रहेंगें इस अवसर पर डॉ पी डी पांडा, मुमताज खान, एम क्यू बेग,इ आर सी पाण्डेय, आशीष कुमार, डॉ ए आर त्रिपाठी,डॉ मनोज कुमार मिश्रा, विनीत राय, आशुतोष राव, शालिनी सिंह, सहित संस्थान के सभी शिक्षक और छात्र -छात्राएं मौजूद रहें

शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने में द्विपक्षीय संबंध होंगे मजबूत: कुलपति

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व में 22 अगस्त को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने आज आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए जो वर्तमान में भारत और मलेशिया के बढ़ते राजनयिक संबंधों के अनुरूप है। 20 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कई क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की, जो भारत-मलेशिया संबंधों को बहुस्तरीय और बहुआयामी बनाते हैं। हमारे विश्वविद्यालयों के बीच यह समझौता ज्ञापन इस दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है, जिससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।प्रोफेसर डॉ. गोह खांग वेन, प्रो वाइस चांसलर, ग्लोबल एंगेजमेंट ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ साथ सांस्कृतिक संपर्क और संकाय-छात्र आदान-प्रदान में भी सहयोग की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में गहरी रुचि व्यक्त की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों को मलेशिया आमंत्रित किया। अपने संबोधन में, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहले नेपाल, मलेशिया और अब आईएनटीआई विश्वविद्यालय, मलेशिया के संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है दोनों विश्वविद्यालयों ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र और संकाय आदान-प्रदान और छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से अकादमिक और शोध अंतराल को पाटने पर सहमति व्यक्त की।

☐ गोरखपुर विश्वविद्यालय ने मलेशिया के आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ किया समझौता

Nirbhik India

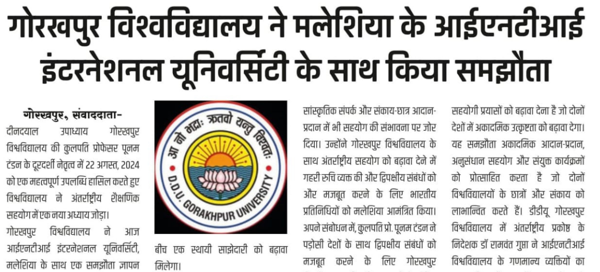

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने मलेशिया के आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ किया समझौता

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व में 22 अगस्त, 2024 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने आज आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए जो वर्तमान में भारत और मलेशिया के बढ़ते राजनयिक संबंधों के अनुरूप हैं। 20 अगस्त, 2024 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के माननीय प्रधान मंत्री श्री अनवर इब्राहिम ने कई क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की, जो भारत-मलेशिया संबंधों को बहुस्तरीय और बहुआयामी बनाते हैं।" हमारे विश्वविद्यालयों के बीच यह समझौता ज्ञापन इस दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है, जिससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया ने वैश्विक शिक्षा में उल्लेखनीय पहचान हासिल की है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में इसका 556वां स्थान है। इसके अलावा, एशिया 2024 के लिए क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुसार, आईएनटीआई को इनबाउंड एक्सचेंज छात्रों के लिए एशिया में नंबर एक संस्थान के रूप में मनाया जाता है। प्रोफेसर डॉ. गोह खांग वेन, प्रो वाइस चांसलर, ग्लोबल एंगेजमेंट ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ साथ सांस्कृतिक संपर्क और संकाय-छात्र आदान-प्रदान में भी सहयोग की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में गहरी रुचि व्यक्त की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों को मलेशिया आमंत्रित किया। अपने संबोधन में, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहले नेपाल, मलेशिया और अब आईएनटीआई विश्वविद्यालय, मलेशिया के संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं दोनों विश्वविद्यालयों ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र और संकाय आदान-प्रदान और छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से अकादमिक और शोध अंतराल को पाटने पर सहमति व्यक्त की। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भविष्य के सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देना है जो दोनों देशों में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा। यह समझौता अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संयुक्त कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है जो दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों और संकाय को लाभान्वित करते हैं। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ रामवंत गुप्ता ने आईएनटीआई विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और समझौता ज्ञापन के दायरे को रेखांकित किया। उन्होंने डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय भी दिया। आईएनटीआई यूनिवर्सिटी मलेशिया में अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग केंद्र के निदेशक डॉ अरासु रमन ने अपने परिचयात्मक भाषण में अपने संस्थान की अकादमिक और शोध शक्तियों पर प्रकाश डाला।

Super Fast Times

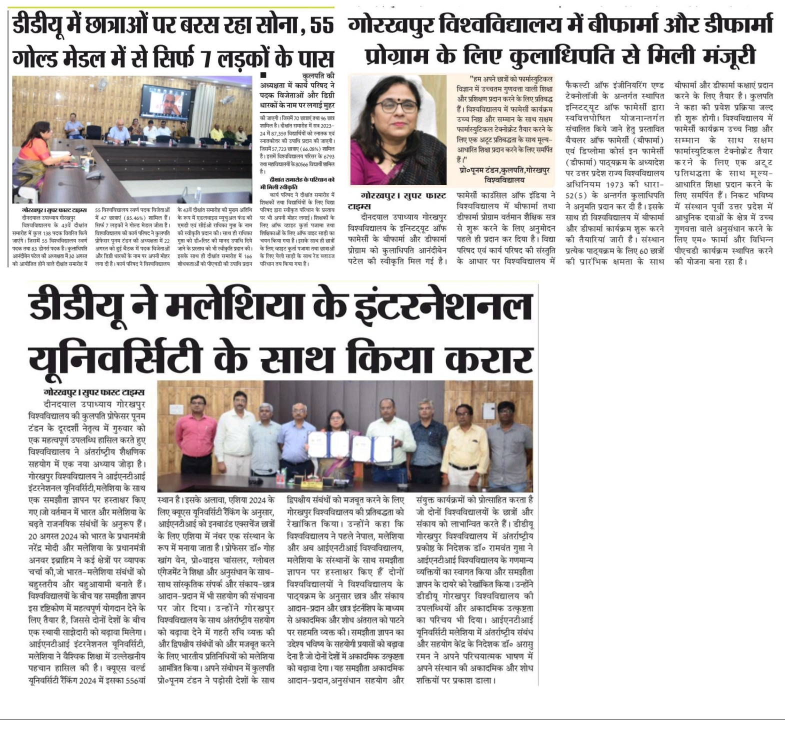

डीडीयू में छात्राओं पर बरस रहा सोना, 55 गोल्ड मेडल में से सिर्फ 7 लड़कों के पास

कुलपति की अध्यक्षता में कार्य परिषद ने पदक विजेताओं और डिग्री धारकों के नाम पर लगाई मुहर

दीक्षांत समारोह के परिधान को भी मिली स्वीकृति

गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा प्रोग्राम के लिए कुलाधिपति से मिली मंजूरी

"हम अपने छात्रों को फार्मास्युटिकल विज्ञान में उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय में फार्मेसी कार्यक्रम उच्च निष्ठा और सम्मान के साथ सक्षम फार्मास्युटिकल टेक्नोक्रेट तैयार करने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के साथ मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।"
प्रो० पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी के बीफार्मा और डीफार्मा प्रोग्राम को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय में बीफार्मा तथा डीफार्मा प्रोग्राम वर्तमान शैक्षिक सत्र से शुरू करने के लिए अनुमोदन पहले ही प्रदान कर दिया है। विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के अन्तर्गत स्थापित इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित बैचलर ऑफ फार्मेसी (बीफार्मा) एवं डिप्लोमा कोर्स इन फार्मेसी (डीफार्मा) पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52(5) के अन्तर्गत कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा कार्यक्रम शुरू करने की तैयारियां जारी है। संस्थान प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 60 छात्रों की प्रारंभिक क्षमता के साथ बीफार्मा और डीफार्मा कक्षाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। कुलपति ने कहा की प्रवेश प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। विश्वविद्यालय में फार्मेसी कार्यक्रम उच्च निष्ठा और सम्मान के साथ सक्षम फार्मास्युटिकल टेक्नोक्रेट तैयार करने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के साथ मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। निकट भविष्य में संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश में आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान करने के लिए एम० फार्मा और विभिन्न पीएचडी कार्यक्रम स्थापित करने की योजना बना रहा है।

डीडीयू ने मलेशिया के इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ किया करार

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ा है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी,मलेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जो वर्तमान में भारत और मलेशिया के बढ़ते राजनयिक संबंधों के अनुरूप हैं। 20 अगस्त 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कई क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की,जो भारत-मलेशिया संबंधों को बहुस्तरीय और बहुआयामी बनाते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच यह समझौता ज्ञापन इस दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है, जिससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा। आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया ने वैश्विक शिक्षा में उल्लेखनीय पहचान हासिल की है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में इसका 556वां स्थान है। इसके अलावा, एशिया 2024 के लिए क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुसार, आईएनटीआई को इनबाउंड एक्सचेंज छात्रों के लिए एशिया में नंबर एक संस्थान के रूप में मनाया जाता है। प्रोफेसर डॉ० गोह खांग वेन, प्रो०वाइस चांसलर, ग्लोबल एंगेजमेंट ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ-साथ सांस्कृतिक संपर्क और संकाय-छात्र आदान-प्रदान में भी सहयोग की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में गहरी रुचि व्यक्त की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों को मलेशिया आमंत्रित किया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो०पूनम टंडन ने पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहले नेपाल, मलेशिया और अब आईएनटीआई विश्वविद्यालय, मलेशिया के संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं दोनों विश्वविद्यालयों ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र और संकाय आदान-प्रदान और छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से अकादमिक और शोध अंतराल को पाटने पर सहमति व्यक्त की। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भविष्य के सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देना है जो दोनों देशों में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा। यह समझौता अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संयुक्त कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है जो दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों और संकाय को लाभान्वित करते हैं। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ० रामवंत गुप्ता ने आईएनटीआई विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और समझौता ज्ञापन के दायरे को रेखांकित किया। उन्होंने डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय भी दिया। आईएनटीआई यूनिवर्सिटी मलेशिया में अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग केंद्र के निदेशक डॉ० अरासु रमन ने अपने परिचयात्मक भाषण में अपने संस्थान की अकादमिक और शोध शक्तियों पर प्रकाश डाला।

Swatantra Bharat

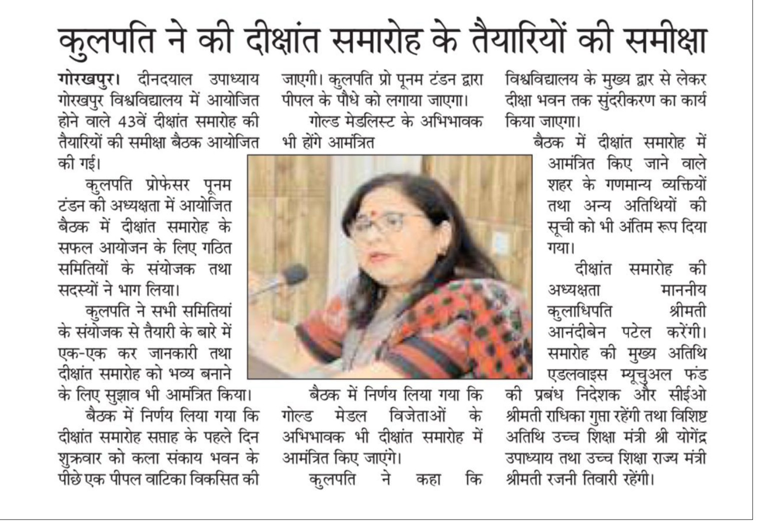

कुलपति ने की दीक्षांत समारोह के तैयारियों की समीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए गठित समितियों के संयोजक तथा सदस्यों ने भाग लिया।

कुलपति ने सभी समितियां के संयोजक से तैयारी के बारे में एक-एक कर जानकारी तथा दीक्षांत समारोह को भव्य बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि दीक्षांत समारोह सप्ताह के पहले दिन शुक्रवार को कला संकाय भवन के पीछे एक पीपल वाटिका विकसित की जाएगी। कुलपति प्रो पूनम टंडन द्वारा पीपल के पौधे को लगाया जाएगा।

गोल्ड मेडलिस्ट के अभिभावक भी होंगे आमंत्रित

बैठक में निर्णय लिया गया कि गोल्ड मेडल विजेताओं के अभिभावक भी दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाएंगे।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से लेकर दीक्षा भवन तक सुंदरीकरण का कार्य किया जाएगा।

बैठक में दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाने वाले शहर के गणमान्य व्यक्तियों तथा अन्य अतिथियों की सूची को भी अंतिम रूप दिया गया।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। समारोह की मुख्य अतिथि एडलवाइस म्यूचुअल फंड की प्रबंध निदेशक और सीईओ श्रीमती राधिका गुप्ता रहेंगी तथा विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी रहेंगी।